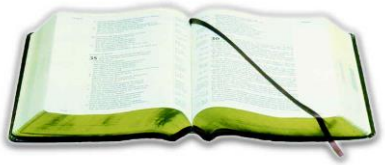

दैनिक हवन पुस्तिका

हवन ग्रुप, न्यू जर्सी

के सौजन्य से

गायत्री मन्त्रः

ॐ भूर्भुवः स्वः। तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि।
धियो यो नः प्रचोदयात् स्वाहा।।

तूने हमें उत्पन्न किया, पालन कर रहा है तू ।
तुझ से ही पाते प्राण हम, दुखियों के कष्ट हरता तू ।।
तेरा महान तेज है, छाया हुआ सभी स्थान ।
सृष्टि की वस्तु वस्तु में, तु हो रहा है विद्यमान ।।
तेरा ही धरते ध्यान हम, मांगते तेरी दया ।
ईश्वर हमारी बुद्धि को, श्रेष्ठ मार्ग पर चला ।।

सर्वरक्षक, समस्त जगत का प्राण, सब दुःखों को दूर करने वाला, सब सुखों का दाता परमेश्वर है, वो सर्वव्यापक और सबको उत्पन करने वाला है, सर्वश्रेष्ठ और ग्रहण करने योग्य, शुद्ध स्वरूप, दिव्य गुणों से युक्त परम देव का हम ध्यान करते हैं□जो हमारी बुद्धियों को उत्तम मार्ग में प्रेरित करें ।

Gayatri Mantra

Om bhur bhuvah swah,tatsvitur varenyam, bhargo devasya dhi mahi, dhiyo yo nah prachodayat.

Toone hume utpann kiya, paalan kar raha hai too.
Tujhse hee paate praan hum, dukhiyon ke kasthta harta too.
Tera mahan tej hai, chhaya hua sabhi sthan.
Srishti ki vastu vastu mein, tu ho raha hai vidyaman.
Tera hi dharte dhyan hum, maangte teri daya.
Ishwar hamari buddhi ko, shretth maarga par chala.

Oh God! Thou art the Giver of Life,
Remover of pain and sorrow,
The Bestower of happiness,
Oh! Creator of the Universe,
May we receive thy supreme sin-destroying light,
May Thou guide our intellect in the right direction.

अथ अग्निहोत्रमन्त्राः

जल से आचमन करने के मन्त्र

ओं अमृतोपस्तरणमसि स्वाहा।1।
ओं अमृतापिधानमसि स्वाहा।2।
ओं सत्यं यशः श्रीर्मयि श्रीःश्रयतां स्वाहा।3।

जल से अगं स्पर्श करने के मन्त्र

बायें हाथ में पानी लेकर नीचे लिखे मन्त्रों को पढ कर दाहिने हाथ की अगुंली से छुऐं ।

ओं वाङ्म आस्येऽस्तु।। इस मन्त्र से मुख का स्पर्श करें

ओं नसोर्मे प्राणोऽस्तु।। इस मन्त्र से नासिका के दोनो भाग

ओं अक्ष्णोर्मे चक्षुरस्तु।। इससे दोनों आखें

ओं कर्णयोर्मे श्रोत्रमस्तु।। इससे दोनों कान

ओं बाह्वोर्मे बलमस्तु।। इससे दोनों भुजाएं

ओं ऊर्वोर्म ओजोऽस्तु।। इससे दोनों जंघाएं

ओं अरिष्टानि मेऽङ्गानि तनूस्तन्वा में सह सन्तु।।
इससे सारे शरीर पर जल का मार्जन करें

Atha agnihotra mantra

Achamana Mantras

Om amrito pas-taranam-asi swaahaa.
Om amritaa-pidhaanam-asi swaahaa.
Om satyam yashah shreer mayi shreeh shra-ya-taam swaahaa.

Anga sparsha mantras

Take a little water in the left palm and wet the tips of the two middle fingers of the right hand, and touch the different parts of the body with them as you recite the following mantras

Om vaang ma aasye `stu. (lips)

Om nasor me praano `stu. (nostrils)

Om akshnor me chakshur astu. (eyes)

Om karna-yor me shro-tram astu. (ears)

Om baah-wor me balam astu. (arms)

Om oor-wor ma ojo `stu. (thighs)

Om arish-taani me'ngaani Tanoos tanwaa me saha santu. (all over)

ईश्वर–स्तुति–प्रार्थनोपासना–मन्त्राः

1 ओं विश्वानि देव सवितुर्दुरितानि परासुव।
यदभद्रं तन्न आसुव।।

2 ओं हिरण्यगर्भः समवर्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।
सदाधार पृथवीं द्यामुतेमां कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

3 ओं या आत्मदा बलदा यस्य विश्व उपासते प्रशिषं यस्य देवाः।
यस्य छायाऽमृतं यस्य मृत्युः कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

4 ओं यः प्राणतो निमिषतो महित्वैक इद्राजा जगतो बभूव।
य ईशे अस्य द्विपदश्चतुष्पदः कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

5 ओं येन ध्रौरुग्रा पृथिवी च दृढ़ा येन स्वः स्तभितं येन नाकः।
यो अन्तरिक्षे रजसो विमानः कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

6 ओं प्रजापते न त्वदेतान्यन्यो विश्वा जातानि परिता बभूव।
यत्कामास्ते जुहुमस्तन्नो अस्तु वयं स्याम पतयो रयीणाम्।।

7 ओं स नो बंधुर्जनिता स विधाता धामानि वेद भुवनानि विश्वा।
यत्र देवा अमृतमानशाना स्तृतीये धामन्नध्यैरयन्त।।

8 ओं अग्ने नय सुपथा राये अस्मान् विश्वानि देव वयुनानि विद्वान।
युयोध्यस्मज्जुहुराणमेनो भूयिष्ठां ते नम उक्तिं विधेम।।

(इति ईश्वर–स्तुति प्रार्थनोपासना मंत्राः)

Ishwar-Stuti-Prarthna-Upasana Mantra

1 Om Vishwaani deva savitar duritaani paraa-suva.
Yad bhadram tan-na aasuva.

2 Om Hiranya-garbhah sama-var-tataa-gre
bhootasya jaatah patir eka aaseet.
Sa daa-dhaara prithiveem dhyaam ute-maam
kasmai devaaya havishaa vidhema.

3 Om Ya aat-madaa bala-daa yasya vishwa
upaasate prashisham yasya devaah.
Yasya chhaayaa `mritam yasya mrityuh kasmai
devaaya havishaa vidhema.

4 Om Yah praana-to nimisha-to mahit-waika id raajaa
jagato babhoowa. Ya eeshe asya dwipa-dash
chatush-padah kasmai devaaya havishaa
vidhema.

5 Om Yena dyaur-ugraa prithivee cha dridhaa yena
swah stabhitam yena naakah. Yo antarikshe rajaso
vimaanah kasmai devaaya havishaa vidhema.

6 Om Prajaa-pate! na twad etaan-yanyo vishwaa
jaataani pari taa babhoowa.
Yat kaamaas-te juhumas tan-no astu vayam
syaama pat rayeenaam.

7 Om Sa no bandhur janitaa sa vidhaataa
dhaamaani veda bhuwa-naani vishwaa. Yatra
devaa amritam aa-na-shaanaas triteeye dhaaman
a-dhyair-ayanta.

8 Om Agne naya su-pathaa raaye asmaan vishwaani
deva vayunaani vidwaan.
Yuyo-dhyas-maj juhuraanam eno bhooyish-thaan to
nama uktim vidhema.
(End of Ishwar-Stuti-Prarthna-Upasana Mantra)

दीपक जलाने का मन्त्र

ओ३म् भूर्भुवः स्वः।।

यज्ञ कुण्ड मे अग्नि स्थापित करने का मन्त्र

ओ३म् भूर्भुवः स्वर्द्यौरिव भूम्ना पृथिवीव वरिम्णा।
तस्यास्ते पृथिवि देवयजनि पृष्ठेऽग्निमन्नादमन्नाद्यायादधे।।

अग्नि प्रदीप्त करने का मन्त्र

ओ३म् उदबुध्यस्वाग्ने प्रतिजागृहित्वमिष्टापूर्ते सं सृजेथामयं च।
अस्मिन्त्सधस्थे अध्युत्तरस्मिन्विश्वे देवा यजमानश्च सीदत।।

घृत की तीन समिधायें रखने के मन्त्र

1 ओ३म् अयन्त इध्म आत्मा जातवेदस्ते नेध्यस्व वर्द्धस्व चेद्धवर्ध यचास्मान् प्रजया पशुभिर्ब्रह्मवर्चसे नान्नाद्येन समेधय स्वाहा।
इदमग्नये जातवेदसे – इदं न मम।।

2 ओ३म् समिधाग्निं दुवस्यत घृतैर्बोधयतातिथिम्।आस्मिन् हव्या जुहोतन।ओं सुसमिद्धाय शोचिषे घृतं तीव्रं जुहोतन अग्नये जातवेदसे स्वाहा।इदमग्नये जातवेदसे□इदन्न मम।।

3 ओ३म् तन्त्वा समिद्भिरङ्गिरो घृतेन वर्द्धयामसि।
बृहच्छोचा यविष्ठय स्वाहा।।इदमग्नेऽङ्गिरसे इदं न मम।।

Fire ignition mantra

Om bhoor bhuwah swah.

Place fire in Hawan-kund

Om bhoor bhuwah swar dyau-riva bhoomnaa prithi-veeva varimnaa. Tasyaas-to prithivi deva-yajani! prish-the'gni mannaa da-mannaa dyaayaa dadhe.

Fanning the fire (if necessary), causing it to rise.

Om ud-budhyas-waagne prati-jaagrihi twam ishtaa poorte sam-srije-thaam ayan cha. Asmint sa-dhasthe adhyut-tarasmin vishwe dewaa yaja-maanash cha seedata.

Placing of fire-sticks

1 **Om ayanta idhma aatmaa jaata-vedas tene-dhyaswa var-dhaswa ched-dha vardhaya chaas-maan praja-yaa pashu-bhir brahma-varchase naan-naa-dyena samedhaya swaahaa, Idam agnaye jaata-vedase, idanna mama.**

2 **Om samidhaagnim duwasyata ghritair bodhaya taa-ti-thim. Aasmin havyaa juho-tana swaahaa. Idam agnaye, idanna mama. Om Su-samid-dhaaya sho-chi-she ghritam teevram juhotana Agnaye jaata-vedase swaahaa. Idam agnaye jaata-vedase, idanna mama.**

3 **Om Tan-twaa samid-bhir-angiro ghritena vardha-yaamasi. Brihach chho-chaa ya-vish-thya swaahaa. Idam agrlaye angirase, idanna mama.**

नीचे लिखे मन्त्र से घृत की पांच आहुति देवें

ओ३म् अंय त इध्म आत्मा जातवेदस्तेनेध्यस्व वर्द्धस्व चेद्ध वर्धय चास्मान् प्रजयापशुभिर्ब्रह्मवर्चसेनान्नाद्येन समेधय स्वाहा। इदमग्नये जातवेदसे – इदं न मम।

जल – प्रसेचन के मन्त्र

ओ३म् अदितेऽनुमन्यस्व। इस मन्त्र से पूर्व में

ओ३म् अनुमतेऽनुमन्यस्व। इससे पश्चिम में

ओ३म् सरस्वत्यनुमन्यस्व। इससे उत्तर में

और – इस मन्त्र से वेदी के चारों ओर जल छिड़कावें।

ओ३म् देव सवितः प्रसुव यज्ञं प्रसुव यज्ञपतिं भगाय। दिव्यो गन्धर्वः केतपूः केतं नः पुनातु वाचस्पतिर्वाचं नः स्वदतु।।

चार घी की आहुतिया

इस मन्त्र से वेदी के उत्तर भाग में जलती हुई समिधा पर आहुति देवें।

ओ३म् अग्नये स्वाहा। इदमग्नये – इदं न मम।।

इस मन्त्र से वेदी के दक्षिण भाग में जलती हुई समिधा पर आहुति देवें।

ओ३म् सोमाय स्वाहा। इदं सोमाय – इदं न मम।।

इन दो मन्त्रों से यज्ञ कुण्ड के मध्य में दो आहुति देवें।

ओ३म् प्रजापतये स्वाहा। इदं प्रजापतये – इदं न मम।।

ओ३म् इन्द्राय स्वाहा। इदं इन्द्राय – इदं न मम।।

PANCHA GHRIT AAHUTI: Five Ghee Oblations.

Om ayanta idhma aatmaa jaata-vedas tene-dhyaswa var-dhaswa ched-dha vardhaya chaas-maan praja-yaa pashu-bhir Brahma-varchase naan-naa-dyena samedhaya swaahaa. Idam agnaye jaata-vedase, idanna mama.

JALA SINCHANA

Om adite `nu-man-yaswa. (Sprinkle in East)

Om anumate `nu-man-yaswa. (West)

Om saraswat-yanu-man-yaswa. (North)

Sprinkle in all four directions

Om deva savitah! prasuva yajyam prasuva yajya-patim bhagaaya.
Divyo gandharwah keta-pooh ketan-nah-punaatu vaachas-patir vaachan-nah swa-da-tu.

Four Ghee Oblations

Make oblation onto the fire, to the North.

Om agnaye swaahaa. Idam agnaye, idanna mama.

Oblation to the South

Om somaaya swaahaa. Idam somaaya, idanna mama.

Center

Om prajaa-pataye swaahaa. Idam prajaa-pataye, idanna mama.
Om indraaya swaahaa. Idam indraaya, idanna mama.

दैनिक अग्निहोत्र की प्रधान आहुतियां

इन मन्त्रों से घृत के साथ साथ सामग्री आदि अन्य होम द्रव्यों की भी आहुतियां दें।

प्रातः कालीन आहुति के मन्त्र

1 ओ३म् सूर्यो ज्योतिर्ज्योतिः सूर्यः स्वाहा।

2 ओ३म् सूर्यो वर्चो ज्योतिर्वर्चः स्वाहा।

3 ओ३म् ज्योतिः सूर्यः सूर्योज्योति स्वाहा।

4 ओ३म् सजूर्देवेन सवित्रा सजूरूषसेन्द्रवत्या जुषाणः सूर्यो वेतु स्वाहा।

सायं कालीन आहुति के मन्त्र

1 ओ३म् अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा।

2 ओ३म् अग्निवर्चो ज्योर्तिवर्चः स्वाहा।

3 इस तीसरे मन्त्र को मन मे उच्चारण करके आहुति देवें
ओ३म् अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः स्वाहा।

4 ओ३म् सजूर्देवेन सवित्रा सजुरात्र्येन्द्रवत्या जुषाणो अग्निर्वेतु स्वाहा।

PRADHAANA HOMA

Principal Sacrifice, relating to the purpose of the Havan.

Morning Ghee-Saamagree Oblations.

1 **Om sooryo jyotir jyotih sooryah swaahaa.**

2 **Om sooryo varcho jyotir varchah swaahaa.**

3 **Om jyotih sooryah sooryo jyotih swaahaa.**

4 **Om sajoor devena savitraa sajoo-rusha-sendra-vatyaa.**
Jushaanah sooryo vetu swaahaa.

Evening Ghee-Saamagree Oblations.

1 **Om agnir jyotir jyotir agnih swaahaa.**

2 **Om agnir varcho jyotir varchah swaahaa.**

3 This is silent mantra
Om agnir jyotir jyotir agnih swaahaa.

4 **Om sajoor devena savitraa sajoo-raatryen-dra-vatyaa. Jushaano agnir vetu swaahaa.**

प्रातः कालीन आहुति के शेष समान मन्त्र

1 ओ३म् भूरग्नये प्राणाय स्वाहा। इदमग्नये प्राणाय –इदं न मम।

2 ओ३म् भुवर्वायवेऽपानाय स्वाहा। इदं वायवेऽपानाय –इदं न मम।

3 ओ३म् स्वरादित्याय व्यानाय स्वाहा। इदमादित्याय व्यानाय –इदं न मम।

4 ओ३म् भूर्भुवः स्वरग्निवाय्वादित्येभ्यः प्राणापानव्यानेभ्यः स्वाहा। इदमग्निवाय्वादित्येभ्यः प्राणापानव्यानेभ्यः – इदं न मम।

5 ओ३म् आपो ज्योतीरसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुवः स्वरों स्वाहा।

6 ओ३म् यां मेधां देवगणाः पितरश्चोपासते। तया मामद्य मेधयाऽग्ने मेधाविनं कुरू स्वाहा।

7 ओ३म् विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव स्वाहा।

8 ओ३म् अग्ने नय सुपथा राय अस्मान् विश्वानि देव वयुनानि विद्वान।
युयोध्यस्मज्जुहुराणमेनो भूयिष्ठां ते नम उक्ति विधेम स्वाहा।

Remaining mantras of morning Oblations

1 **Om bhoo-rag-naye praanaaya swaahaa. Idam agnaye praanaaya, idanna mama.**

2 **Om bhuwar-waaya-ve `paanaa-ya swaahaa. Idam waaya-ve `paanaa-ya, idanna mama.**

3 **Om swar-aadit-yaaya vyaanaa-ya swaahaa. Idam aadit-yaaya vyaanaa-ya, idanna mama.**

4 **Om bhoor bhuwah swaragni vaay-vaa-ditye-bhyah praanaa-paana vyaane-bhyah swaahaa. Idam agni vaay-vaa-ditye-bhyah praanaa-paana vyaane-bhyah, idanna mama.**

5 **Om aapo jyoteeraso `mritam brahma bhoor bhuwah swar-om swaahaa.**

6 **Om yaam medhaam deva-ganaah pitarash cho-paa-sate. Tayaa maa-madya medhayaag-ne medhaa-vinam kuru swaahaa.**

7 **Om vishwaani deva savitar duritaani paraa-suva. yad bhadram tan-na aasuva swaahaa.**

8 **Om agne naya su-pathaa raaye asmaan vishwaani deva vayu-naani vidwaan. Yuyo-dyas-maj juhuraanam eno bhooyish-thaan to nama uktim vidhema swaahaa.**

ओ३म् तच्चक्षुर्देवहितं पुरस्ताच्छुक्रमुच्चरत्। पश्येम शरदः शतं जीवेम शरदः शतं श्रृणुयाम शरदः शतं प्रब्रवाम शरदः शतमदीनाः स्याम शरदः शतं भूयश्च शरदः शतात्।।

हे सर्वव्यापक, सर्वज्ञ, सर्वान्तर्यामी देवेश्वर, जो धार्मिक, विद्वान् अत्यन्त श्रद्धा और प्रेम से गद्गद् होकर आपकी उपासना करता है, उस उपासक का आप हर प्रकार से कल्याण करते हैं। हे विज्ञान स्वरूप, परमदेव ! आप अपनी कृपा से मेरी आत्मा में प्रकट होओ। अपने हृदय में ही आपको सौ वर्षों तक देखता रहूं, आपके प्रति श्रद्धा तथा विश्वास रखते हुए आपके संकेतों को सुनता रहूं, आपकी महिमा का उपदेश सबको करता रहूं। हे परमपिता, आपकी कृपा से मैं कभी भी दीन-हीन वा दरिद्र न होऊं, बल्कि सर्वदा स्वस्थ, सम्पन्न तथा आनन्द में ही रहूं।

नीचे लिखे मृत्युंजय मन्त्र को तीन बार दोहरायें।

ओ३म् त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

हे तीनों लोकों के पालक, रोगों के नाशक और पौषण देने वाले परमात्मन्, जैसे पका हुआ फल अपने डंठल से छूट जाता है वैसे मुझे मृत्यु और रोग से छुड़ाइये तथा जीवन रस प्रदान कीजिए।

Om tat chakshur devhitam purasta chhukra muchcharat. Pashyem sharada shatam jeevem sharada shatam shranuyaam sharad shatam prabravaam sharad shatam adeena syaam sharada shatam bhooyascha sharada shataat.

Om. O God, everything in this world is known to You; You are the friend of the learned; You were present even before the creation of the universe; You are Auspicious and Supreme. May we be able to see for one hundred years; May we be able to live for one hundred years; May we be able to hear and sing Your glory for one hundred years; May we be able to live freely without being a burden on anyone; May we be able to see, hear, live and sing Your glory freely for more than one hundred years.

Recite the following Mrityunjaya mantra three times.

Om triyambakam yajamahe sugandhim pushtivardhanam. Urvarukmiv banhananmrityormuksheeya maa amritat.

O the creator of universe, dispeller of miseries and sustainer of the world! May we cross the ocean of life in a strong boat of knowledge, devotion, and great health and leave the cycle of death and illness just like a ripe fruit leaves the tree.

स्विष्टकृत होमाहुति

नीचे के मंत्र से चावल या मिठाई की आहुति देवें ।

ओ३म् यदस्य कर्मणोऽत्यरीरिचं यद्वान्यूनमिहाकरम् । अग्निष्टत् स्विष्टकृद्विद्यात्सर्वं स्विष्टं सुहुतम् करोतु मे। अग्नये स्विष्टकृते सुहुतहुते सर्वंप्रायश्चित्ताहुतिनां कामनां समर्द्धयित्रे सर्वान्नः कामान्त्समर्द्धय स्वाहा। इदमग्नये स्विष्टकृते इदं न मम।

बलिवैश्व देव यज्ञ

ओ३म् अग्नये स्वाहा।।

ओ३म् सोमाय स्वाहा।।

ओ३म् अग्नीषोमाभ्यां स्वाहा।।

ओ३म् विश्वेभ्यो देवेभ्यः स्वाहा।।

ओ३म् धन्वन्तरये स्वाहा।।

ओ३म् कुह्वै स्वाहा।।

ओ३म् अनुमत्यै स्वाहा।।

ओ३म् प्रजापतये स्वाहा।।

ओ३म् सह द्यावापृथिवीभ्यां स्वाहा।।

ओ३म् स्विष्टकृते स्वाहा।।

अब तीन बार गायत्री मन्त्र से आहुति देवें

ओ३म् भूर्भुवः स्वः।तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् स्वाहा।।

इस मन्त्र से तीन बार घी से पूर्णहुति करें

ओ३म् सर्वं वै पूर्णं स्वाहा।।

।।इति अग्निहोत्रमन्त्राः।।

Swishtkrit Homahuti

(Offering of rice or sweet)

Om yadasya karmano atyareecham yadwanuen mihakaram agrishtat swishtakrid vidyat serva swishtam suhutam karotu me. Agnaye swishtakrite suhutahute sarva prayashitahutinam kamanam samardwayitre sarwannah kamanta samardway swaha. Idam agnaye swishtakrite idanna mama.

Balivaishva Dev Yagya

Om agnaye svaha.
Om somaaya svaha.
Om agni shomabhyam svaha.
Om vishvedhyo devebhya svaha.
Om dhan vantarye svaha.
Om kuhvai svaha.
Om anumatyai svaha.
Om praja pataye svaha.
Om saha dyava prithivibhyam svaha.
Om svishta krate svaha.

Three oblations with Ghee and Saamagree.

Om bhoor bhuwah swah. Tat savitur varenyam bhargo devasya dheemahi. Dhiyo yo nah pracho-dayaat swaahaa.

Offer ghee three times with this mantra

Om sarvam vai poornam swaahaa.

End of Agnihotra Mantras

पूर्णाहूति के बाद

ओ३म् तेजोऽसि तेजो मयि धेहि।
ओ३म् वीर्यमसि वीर्यं मयि धेहि।
ओ३म् बलमसि बलं मयि धेहि।
ओ३म् ओजोऽस्योजो मयि धेहि।
ओ३म् मन्यरसि मन्युं मयि धेहि□
ओ३म् सहोऽसि सहो मयि धेहि।।

ओ३म् असतो मा सद् गमय। तमसो मा ज्योतिर्गमय। मृत्योमांऽमृतं गमय।

सर्वे भवन्तु सुखिनाः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भाग् भवेत्।।

हे ईश सब सुखी हों□कोई ना हो दुखारी।
सब हो निरोग भगवन□धनधान्य के भंडारी।
सब भद्रभाव देखें□सन्मार्ग के पथिक हों।
दुखिया ना कोई होवे□सृष्टि में प्राणधारी।।

त्वमेव माता च पिता त्वमेव□
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव।
त्वमेव विद्या द्रविणां त्वमेव□
त्वमेव सर्वं मम देव देव ।

निम्न मंत्र का तीन बार उच्चारण करें
तन्मे मनः शिव संकल्पम् अस्तु ।
मेरा मन शुभ संकल्पों वाला हो ।

After poornahooti

Om tejo asi tejo mayi dhehi.
Om veeryam asi veeryam mayi dhehi.
Om balam asi balam mayi dhehi.
Om ojo asi ojo mayi dhehi.
Om manyar asi manyum mahi dhehi.
Om saho asi saho mayi dhehi.

Om asato ma sad gamaya, Tamaso ma jyotir gamaya, Mirtyorumam amritam gamaya.

Sarve bhavantu sukhinah, Sarve santu ni-raa-ma-yaah. Sarve bhadraani pashyantu, Maa kash-chid dukha bhaag bhavet
Hey eesh sab sukhee ho, ko-ee na ho dukhaaree,
Sab ho nirog bhagavan, dhan-dhaany ke bhandaari.
Sab bhadra bhaav dekhe, san-maarg ke pathik ho,
Dukhiyaa na ko-i howe, srishti me praan-dhaaree.

Tvamev maataa cha pitaa tvameva,
Tvameva bandhushcha sakhaa tvameva.
Tvameva vidhyaa dravinam tvameva,
Tvameva sarvam mum deva deva.

Recite the following mantra three times
Tanme mana shiv sankalpam astu.
May my mind be full of good thoughts!

यज्ञ प्रार्थना

यज्ञरूप प्रभो हमारे भाव उज्जवल कीजिये।
छोड़ देंवे छलकपट को मानसिक बल दीजिये।।1।।
वेद की बोलें ऋचाएं सत्य को धारण करें।
हर्ष में हो मग्न सारे शोक सागर से तरें।।2।।
अश्वमेधादिक रचायें यज्ञ परउपकार को ।
धर्ममर्यादा चलाकर लाभ दें संसार को।।3।।
नित्य श्रद्धाभक्ति से यज्ञादि हम करते रहें।
रोगपीड़ित विश्व के सन्ताप सब हरते रहें।।4।।
भावना मिट जाये मन से पाप अत्याचार की।
कामनायें पूर्ण होवें यज्ञ से नरनार की।।5।।
लाभकारी हो हवन हर जीवधारी के लिये।
वायु जल सर्वत्र हों शुभ गन्ध को धारण किये।।6।।
स्वार्थभाव मिटे हमारा प्रेमपथ विस्तार हो ।
'इदन्नमम' का सार्थक प्रत्येक में व्यवहार हो।।7।।
हाथ जोड़ झुकाये मस्तक वन्दना हम कर रहे।
नाथ क□ारूप क□ा आपकी सब पर रहे।।8।।

Yajya Prayer

Yajyaroop prabho hamaare bhaava ujjwal keejiye,
Chhor deve chhal-kapat ko, maansik bal deejiye.

Veda kee bolen richaaye, satya ko dhaaran kare,
Harsh me ho magn saare, shhok saagar se tare.

Ashvamedhaadik rachaaye, yajna par-upkaar ko,
Dharm maryaadaa chalaakar, laabha de sansaar ko.

Nitya shraddhaa bhakti se yajnaadi ham karte rahe
Rog peerit vishva ke santaap sab harte rahe.

Bhaavanaa mit jaave man se, paap atyaachaar kee
Kaamanaaye poorna hove, yajna se nar-naar kee.

Laabhakaari ho havan, har jeevadhaaree keliye
Vaayu jai sarvatra ho, shubh gandh ko dhaaran kiye.

Svaartha-bhaav mite hamaaraa, prem path vistaar ho
Idanna mama kaa saarthak, pratyek me vyavhaar ho.

Haath jor jhukaaye mastak, vandanaa ham kar rahe
Naath karunaa roop karunaa, aapkee sab par rahe.

भजन

इतनी शक्ती हमें देना दाता□मन का विश्वास कमज़ोर हो ना।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे□भूल कर भी कोई भूल हो ना।
इतनी शक्ती हमें...

हर तरफ जुल्म है बेबसी है□सहमा सहमा सा हर आदमी है।
पाप का बोझ बढ़ता ही जाए□जाने कैसे ये धरती थमी है।
बोझ ममता का तू ये उठा ले□तेरी रचना का ये अन्त हो ना।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे□भूल कर भी कोई भूल हो ना।
इतनी शक्ती हमें...

दूर अज्ञान के हो अन्धेरे□तू हमें ज्ञान की रौशनी दे।
हर बुराई से बचते रहें हम□जितनी भी दे भली जिंदगी दे।
बैर हो ना किसी का किसी से□भावना मन में बदले की हो ना।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे□भूल कर भी कोई भूल हो ना।
इतनी शक्ती हमें...

हम ना सोचें हमे क्या मिला है□हम ये सोचें किया क्या है अर्पण।
फूल खुशियों के बाटें सभी को□सबका जीवन ही बनजाए मधुबन।
अपनी करूणा को अब तू बहादे□करदे पावन हरइक मन का कोना।
हम चलें नेक रस्ते पे हमसे□भूल कर भी कोई भूल हो ना।
इतनी शक्ती हमें...

Bhajan

Itni Shakti Hume De Na Daataa,
Mankaa VishVaas Kam Zoar Ho Naa.
Hum Chalen Nek Raste Pe Humse,
Bhool kar Bhee Koi Bhool Ho Naa.
Itni Shakti...
Har Taraf Zulm Hai Be basee Hai,
Sehma Sehma Saa Har Aadmee Hai.
Paap Kaa Bojh Badhtaa Hee Jaaye,
Jaane Kaise Ye Dhartee Thummee Hai.
Bojh Mamta Kaa Tu Ye Uthaa Le,
Teree Rachanaa Ka Ye Ant Ho Naa.
Hum Chalen Nek Raste Pe Humse,
Itni Shakti...
Door Agyaan Ke Ho Andhere,
Tu Hume.N Gyaan Kee Raushnee De.
Har Buraayee Se Bachke Rahe.N Hum,
Jitnee Bhee De, Bhalee Zindagee De.
Bair Ho Naa Kisikaa Kisi se,
Bhaavanaa Man Me.N Badle Kee Ho Naa.
Hum Chalen Nek Raste Pe Humse,
Itni Shakti...
Hum Na Soche.N Hume.N Kyaa Milaa Hai,
Hum Ye Soche.N Kiyaa Kyaa Hai Arpan.
Phool Khushiyo.N Ke Baate.N Sabhee Ko,
Sabkaa Jeevan Hee Ban Jaaye Madhuban.
Apnee Karunaa Ko ab Tu Bahaa De,
Karade Paavan Har Ik Man Kaa Konaa.
Hum Chalen Nek Raste Pe Humse,
Itni Shakti...

ओ३म् सह नाववतु। सह नौं भुनक्तु। सह वीर्य्यं करवावहै।
तेजस्विनावधीतमस्तु। मा विद्विषावहै।।

Om sah na vavatu. Sah nau bhunaktu. Sah veeryam karvaa-vahai. Tejasvinaa vadheettam astu. Maa vidvisha-vahai.

ओ३म् स्तुता मया वरदा वेदमाता प्रचोदयन्तां पावमानी
द्विजानाम्। आयुः प्राणं प्रजां पशुं कीर्तिं द्रविणं ब्रह्मवर्चसं म्ह्यं
दत्त्वा व्रजत ब्रह्मलोकम्।।

Om stuta mayaa varda ved maata pracho dayantam paavmani dvijaanaam.
Aayu praanam prajaam pashum keertim drvinam braham varchasam maheyam datva vrajat braham lokam.

ओ३म् अभयं मित्रादभयममित्रादभयं ज्ञातादभयं परोक्षात्।
अभयं नक्तम्भयं दिवा नः सर्वा आशा मम मित्रं भवन्तु।।

Om abhayam mitrad abhayam amitrad abhayam gyatad abhayam prokshat.
Abhayam naktam abhyam diva naa sarvaam aasha mam mitram bhavantu.

ओ३म् यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदु सुप्तस्य तथैवैति।
दूरङ्गमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु।।

Om yaj jaagrato dooram udaiti daivam tadu suptasya tathaivaiti. Door angamam jyotisham jyoti rekam tanme mana shiv sankalapam astu.

ओ३म् पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात्पूर्णमुदच्यते।
पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते।

Om purnam adah purnam idam poornaat poornam uddachyate.
Purnasya puram aadaya purnam evaa vashishyate.

ओ३म् अन्नपतेऽन्नस्य नो देह्यनमीवस्य शुष्मिणः।
प्रप्र दातारं तारिषऽ ऊर्जे नो धेहि द्विपदे चतुष्पदे।।

Om annapate annasya no dehi ana-mee-was-ya shush-minah.
Pra pre daataaram taarisha oorje nno dhehi, dwi-pade cha-tush-pade.

ओ३म् स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवाः स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः।
स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु।।

Om svasti na indro vridh shravaa svasti naa poosha vishva veda. Svasti nastaakshryo arisht nemi svasti no brihaspati dardhatu.

ओ३म् त्र्यंबकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारूकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

Om triyam-bakam yaja-mahe sugandhim pushti-vardhanam. Urva-ruk-miv banhanan-mrityor-muksheeya maa amritat.

ओ३म् विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव।यद् भद्रं तन्न आ सुव स्वाहा ।

Om vishwaani deva savitar duritaani paraa-suva. yad bhadram tan-na aasuva swaahaa.

आर्शीवाद मन्त्र

ओ३म् सत्याः सन्तु यजमानस्य कामाः।
ओ३म् शुभाः सन्तु यजमानस्य कामाः।
ओ३म् शिवाः सन्तु यजमानस्य कामाः।
ओ३म् सौभाग्यमस्तु। ओ३म् शुभं भवतु।
ओ३म् स्वस्ति। ओ३म् स्वस्ति। ओ३म् स्वस्ति।

हे ईश्वर! हम आपसे प्रार्थना कर रहे हैं कि यजमान परिवार की सब शुभ कामनायें सत्य हों, कल्याणकारी हों, और सफल हों। हे प्रभो! आप कल्याण करो, कल्याण करो, कल्याण करो।

हे बालिके! त्वम् जीवेम् शरदः शतम्, वर्द्धमति, आयुष्मति, तेजस्विनी, वर्चस्विनी, गुणवती, धीमति भूयाः।

हे बालक! त्वम् जीवेम् शरदः शतम्, वर्द्धमान, आयुष्मान, तेजस्वी, वर्चस्वी, गुणवान, धीमान भूयाः।

हे बालक अथवा बालिके! तुम उन्नति प्राप्त करते हुए सौ वर्ष से अधिक जीवित रहो तथा तुम आयुष्मान, तेजस्वी, वर्चस्वी, यशस्वी, और धनवान बने रहो। तुम्हारा सदा कल्याण हो।

Aasheerwaad mantra

Om satyah santu yajamansya kamah.
Om shubhah santu yajamansya kamah.
Om shiva santu yajamansya kamah.
Om saubhagayam astu, om shubham bhavatu.
Om svasti, om svasti, om svasti.

O God! We are praying to you that the wise desires of the host family be truthful, ospicious, and benevolent. O God! Provide welfare, provide welfare, provide welfare.

He baalike, tvam jeevem sharada shatam, vardhmati, aayushmati, tejasvini, varchasvini, gunvati, dheemati bhooya.

He baalak, tvam jeevem sharada shatam, vardhman, aayushmaan, tejasvi, varchasvi, gunvaan, dheeman bhooya.

Dear son/daughter, may you grow & live a long healthy life of over 100 years, full of vitality, powerful personality, good qualities and wisdom. May you lead a glorious living.

आरती भजन

ओम् जय जगदीश हरे स्वामी जय जगदीश हरे।
भक्त जनों के संकट क्षण में दूर करे ।।1।।
जो ध्यावे फल पावे दुःख विनसे मन का।
सुख सम्पत्ति घर आवे कष्ट मिटे तन का।।2।।
मात पिता तुम मेरे शरण गहूँ मैं किसकी।
तुम बिन और न दूजा आस करूं जिसकी।।3।।
तुम पूरण परमात्मा तुम अन्तर्यामी।
पार ब्रह्म परमेश्वर तुम सब के स्वामी।।4।।
तुम करुणा के सागर तुम पालन कर्ता।
मैं सेवक तुम स्वामी कृपा करो भर्त्ता।।5।।
तुम हो एक अगोचर सबके प्राणपति।
किस विधि मिलूं दयामय तुमको मैं कुमति।।6।।
दीनबन्धु दुःख हर्त्ता तुम रक्षक मेरे।
करुणा हस्त बढ़ाओ शरण पड़ा तेरे।।7।।
विषय विकार मिटाओ पाप हरो देवा।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ सन्तन की सेवा।।8।।
तन मन धन सब कुछ है तेरा।
तेरा तुझ को अर्पण क्या लागे मेरा।।9।।
श्याम सुन्दर जी की आरती जो कोई नर गावे।
कहत शिवानन्द स्वामी मनवान्छित फल पावे।।10।।
जय जगदीश हरे स्वामी जय जगदीश हरे।
भक्त जनों के संकट क्षण में दूर करे ।।11।।

AARTEE BHAJAN

Om jai jagdeesh hare, svaamee jai jagdeesh hare
Bhakt jano ke sankat, kshan me door kare.

Jo dhyaave phal paave, dukh vinshe mankaa
Sukh sampati ghar aave, kasht mite tan kaa .

Maat pitaa tum mere, sharan gahoo kiskee
Tumn bin our na doojaa, aas karoo jiskee.

Tum pooran paramaatmaa, tum antaryaamee.
Paar-brahma parameshvar, tum sabke svaamee.

Tum karunaa ke saagar, tum paalankartaa.
Main sevak tum swami, kripaa karo bhartaa.

Tum ho ek agochar, sab ke praan-pati
Kis vidhi miloo dayaamai, tum ko Mai kumtee

Deen-bandhu dukh-hartaa, tum rakshak mere
Karunaa hast barhaa-o, sharan paraa tere.

Vishai vikaar mitaa-o, paap haro devaa
Shraddhaa bhakti barhaa-o, santan kee sevaa.

Tan man dhan sab kuchchh hai tera
Tera tujh ko arpan, kya laage mera.

Shyam sundar ji ki aarti, jo koi nar gaave.
Kahat shiva nandswami, man vanchhit fal paave.

Jai jagdeesh hare, svaamee jai jagdeesh hare
Bhakt jano ke sankat, kshan me door kare.

शान्तिपाठ मन्त्र

ओ३म् द्यौः शान्तिरन्तरिक्ष□शान्तिः पृथिवी शान्तिरापः
शान्तिरोषधयः शान्तिः। वनस्पतयः शार्न्तिविश्वे देवाः शान्तिर्ब्रह्म
शान्तिः सर्वं शान्तिः शान्तिरेव शान्तिः सा मा शान्तिरेधि।।
ओ३म् शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

Shantipath Mantra

Om dhyo shantir antariksham shantih prithivi shantir apah shantir oshadhayah shantih vanaspatayah shantir vishvedevah shantir brahma shantih sarvam shantih shantireva shanti sama shantiredhi.
Om shanti shanti shanti.

इस पुस्तिका की प्रति व मासिक हवन के लिए सम्पर्क करेंः

शोभा मेहता ः **732 721 0815**
हर्ष मैंदीरत्ता ः **732 687 2711**

For a free copy of this booklet or infomation regarding monthly hawan, please contact:

Shobha Mehta: 732-721-0815
Harsh Mendiratta: 732-687-2711
www.hawan.net

संक्लन कर्त्ता
हर्ष वर्धन मैंदीरत्ता
WWW.HAWAN.NET

Compiled by:
Harsh Vardhan Mendiratta
WWW.HAWAN.NET